

戦争を知る

も	う	す	え	を	2	し		粹	い	親		の	ま	な	で	わ	今
っ	と	か	ば	言	0	よ	“	な	っ	に	そ	手	、	っ	見	だ	年
と	思	ら	、	い	歳	う	学	言	た	会	こ	紙	保	た	せ	つ	5
知	い	、	今	ま	前	か	徒	葉	、	い	に	を	管	学	て	み	月
識	まし	と	より	す	後	。太	出	に	懸	たい	は	時	さ	生	いた	のこ	、
を	した	ても	簡単	。当	の大	平	陣”	胸	命	、も	、当	間	れて	の遺	だえ	私	は
蓄	。戦	勉強	に行	時、大	学生	洋	と	が	な	つと	時	を	いた	書や	記	東京	の
え	争	熱心	ける	学、大	を戦	戦	い	苦	思	色	の学	かけ	の	写真	念	本	郷
たい	にな	な方	わけ	に通	地に	中	う	しく	いが	々な	生た	て読	です	。そ	館”	3	丁
。そ	んて	々だ	では	って	に送	の兵	言	なり	綴	事	ちの	みま	。私	れら	に行	目	に
そう	行	った	ない	いた	った	力不	葉を	まし	られ	を	の、	した	は、	が当	きま	ある	“
、強	きた	のだ	ので	人とい	た措	足の	、知	した	てい	学	生	。は	、一	時	した	そこ	
く思	たく	だろ			置の	ため	つて	。	、そ	び	た	、一	つ	の	。そ		
っ	ない				事		い		の純	たい	、			ま	こ		
てい							る			と							

[illegible]

ける	機会が、	非常に	少なくなっ	ていま	す。	し	かし、	当時の	人々の	辛い状	況を知	り、そ	の心	情に触	れるこ	とで、	よう	やく	“何	故、	戦争	を	して	は	い	け	な	い	の	か”	分	か	る	の	だ	と	思	い	ま	し	た。	亡	く	な	っ	た	彼	ら	は、	何	を	思	っ	て	死	ん	で	い	っ	た	の	だ	ら	う。	直	筆	の	遺	書	を	実	際	に	見	る	と、	当	時	の	様	子	や	込	め	ら	れ	た	思	い	が	見	え	て	く	る	よ	う	で、	は	っ	と	し	ま	し	た。	死	に	た	く	な	か	っ	た、	家	族	に	会	い	た	か	っ	た、	平	和	に	暮	ら	し	た	か	っ	た・	・	・	。	そ	ん	な	彼	ら	の	思	い	を、	無	駄	に	し	て	は	い	け	な	い。	も	う	二	度	と、	戦	争	を	起	こ	し	て	は	い	け	な	い。	世	界	で	は、	ウ	ク	ラ	イ	ナ	を	始	め、	今	も	絶	え	ず	紛	争	が	起	こ	っ	て	い	ま	す。	今	も、	彼	ら	と	同	じ	思	い	を	し	て	い	る	人	が、	大	勢	い	る	と	い	う	事	で	す。	こ	れ	以	上、	戦	争	に	よ	っ	て	辛	い	思	い	を	す	る	人	を、	増	や	し	て	は	い	け	な	い。	そ	の	た	め	に	も、	私	た	ち	は、	戦	争	に	つ	い	て	も	っ	と	知	ら	な	け	れ	ば	な	ら	な	い	と	思	い	ま	し	た。
----	------	-----	-------	-----	----	---	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	----	----	----	----	----	---	----	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	----	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----